साइकिल यात्रा 14 को आयेगी

पाली, (नि.सं.)। श्री पंढरपुर महाराष्ट्र से घुमान पंजाब तक संत श्री शिरोमणि नामदेव महाराज के 755 जन्म कल्याण महोत्सव के पावन पर्व एक भव्य साइकल यात्रा शुक्रवार को पाली आएंगी। जिसका स्वागत अभिनंदन किया जाएगा।

इस दल में 101 यात्री है, पुरुष व महिलाएं भी सामिल है। साथ एक रथ व श्री नामदेव जी की चरण पादुका भी साथ दल में इस भव्य साइकल यात्रा दल का स्वागत श्री श्याम जी मन्दिर पाली प्यारा चोक स्थित मंदिर पर किया जाएगा। सायं 6 बजे साथ रात्रि विश्राम पाली बारसा रिसोर्ट सुमेरपुर रोड पर रखा गया है। श्री नामदेव हिन्दू छीपा समाज पाली अध्यक्ष चम्पालाल भाटी व सचिव राजा बाबू राठौड़ ने बताया कि इस ऐतिहासिक दल का स्वागत अभिनंदन किया जाएगा।

राजस्थान सरकार

राईस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

कार्यालय प्रधानाचार्य डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय भैंसवाडा, जालौर

क्रमांक-142/ दिनांक-11.11.2025

राईस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के नियंत्रणाधीन संचालित डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय भैंसवाडा, जालोर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्राओं के खाने हेतु सब्जी एवं फल आपूर्ति हेतु खुली निविदा के माध्यम से पंजीकृत बोलीदाता/संवेदकों/फर्मो से दिनांक 18.11.2025 को दोपहर 04.00 बजे एक निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण एवं शर्तो का अवलोकन विभागीय वेबसाईट www.sje.rajasthan.gov.in एवं लोक उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है।

NIB CODE: SOC2526A0199
UBN NO.: SOC2526GSOB00224

प्रधानाचार्य
डॉ. भीमराव अम्बेडकर रा.बा.आ.वि.
भैंसवाडा, जालोर

'महा गजराज युद्धाभ्यास' हाइवे पर उतरे लड़ाकू विमान

जालोर/सांचोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचोर स्थित चितलवाना के निकट अगडावा हवाई पट्टी क्षेत्र में मंगलवार को भारतीय वायु सेना का "महा गजराज युद्धाभ्यास" आयोजित किया गया। यह अभ्यास भारतमाला एक्सप्रेसवे 925 ए गांधव इलाके में बनी लगभग तीन किलोमीटर लंबी और 33 मीटर चौड़ी इमरजेंसी एयर स्ट्रिप पर हुआ।

राजस्थान में भारत-पाक बॉर्डर से करीब 40 किलोमीटर दूर सांचौर में भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बने हाइवे पर वायुसेना के तेजस और जगुआर विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। राजस्थान में पाकिस्तान सीमा के करीब हाइवे पर वायुसेना के लड़ाकू विमान उतारे जाने की प्रैक्टिस कामयाब रही है। सांचौर में बने भारतमाला हाइवे पर इसी के तहत तेजस और जगुआर लडाकू विमान उतरे। भारत-पाक बॉर्डर से करीब 40 किलोमीटर दूर वायुसेना के विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग की प्रैक्टिस देखने स्थानीय लोग भी बडी संख्या में जुटे थे। इसी दौरान एक बैल भी एयर स्ट्रिप पर आ पहुंचा। हालांकि इससे विमानों की लैंडिंग पर कोई असर नहीं पड़ा और जल्द ही सुरक्षाकर्मियों ने बैल को वहां से हटा दिया।

भारतमाला सड़क पर तीन किलोमीटर लंबी एयर स्ट्रिप पर जब भारतीय वायु सेना के तेजस और जगुआर लडाकू विमानों ने लैंडिंग हुई, तो हर कोई हैरान था। किसी भी वायुसेना के लिए हाइवे पर इस तरह की लैंडिंग युद्ध की स्थिति में इमरजेंसी के दौरान बेहद अहम साबित होती हैं। राजस्थान के बॉर्डर इलाके में विमानों को उतारने के लिए तैयार की गई इस एयर स्ट्रिप पर यह प्रैक्टिस पर इस लिहाज से खास रही है।

वही राजस्थान के सांचौर के पास इस एयर स्ट्रिप का उद्घाटन 9 सितंबर 2021 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया था। उद्घाटन के दौरान भी इस एयर स्ट्रिप पर लैंडिंग की गई थीं। यह एयर स्ट्रिप भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह एयर स्ट्रिप न सिर्फ युद्ध की स्थिति में भारतीय वायु सेना को महत्वपूर्ण साबित होगी बल्कि आपदा राहत के कार्यों में भी इसका इस्तेमाल मील का पत्थर साबित होगा

विंग कमांडर देवेंद्र पांडेय ने बताया कि यह एक्सरसाइज इंडियन एयरफोर्स की साउथ-वेस्टर्न कमांड के तहत आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य इमरजेंसी एयर लैंडिंग फील्ड की वैधता की जांच करना था। अभ्यास के दौरान भारतमाला हाईवे पर यातायात पूरी तरह बंद रखा गया। पांडेय ने बताया कि इसमें तीन विमान शामिल थे, दो फाइटर प्लेन (जगुआर और सुखोई) और एक ट्रांसपोर्ट विमान (सी-295) था।

मरू ज्वाला' में आर्मी व एयरफोर्स ने ताकत दिखाई

थल सेना से मैकेनाइज्ड और आर्मर्ड कोर (टैंक रेजिमेंट) ने इसमें हिस्सा लिया, वहीं लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और हवाई पेट्रोलिंग प्लेटफॉर्म बनाया

जैसलमेर, (निसं)। पाक बॉर्डर पर जैसलमेर के रेगिस्तानी इलाके में 12 दिन चलने वाले ऑपरेशन त्रिशूल के 11वें दिन "मरू ज्वाला" का युद्धाभ्यास हुआ। आर्मी और एयरफोर्स के जवानों ने आतंकवादियों के ठिकानों और दुश्मन की अग्रिम चौकियों पर साथ मिलकर अटैक किए।

पहले ड्रोन से दुश्मन के ठिकानों का पता लगाया गया। इसके बाद ड्रोन के जरिए अनाउंसमेंट कर गांवों को खाली कराया गया। भारतीय सैनिक के घायल होते ही रोबोटिक डॉग फर्स्ट एड बॉक्स लेकर पहुंचे।

थल सेना से मैकेनाइज्ड और आर्मर्ड कोर (टैंक रेजिमेंट) ने इसमें हिस्सा लिया। वहीं लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और हवाई पेट्रोलिंग प्लेटफॉर्म बनाया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य यह साबित करना है कि भारतीय सेना रेगिस्तान में किसी भी परिस्थिति में तेजी से दुश्मन के खिलाफ एक्शन लेने में सक्षम है। इसका नेतृत्व दक्षिणी कमान ने किया। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने खुद युद्ध क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कोणार्क कोर और बैटल एक्स डिवीजन द्वारा किए गए संयुक्त युद्धाभ्यास की सराहना की।

कैंसर व दुर्लभ रोगों के उपचार की दिशा में नई उम्मीद जगी

जोधपुर, (कासं)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के वैज्ञानिकों ने कोशिका के मिशन कंट्रोल सेंटर-सेंट्रोसोम के कार्य तंत्र को समझने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस शोध से कैंसर और दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के उपचार की नई राहें खुलने की उम्मीद है।

आईआईटी जोधपुर के बायो साइंस एंड बायो इंजीनियरिंग विभाग की सह आचार्य डॉ. प्रियांका सिंह और उनकी टीम ने सेंट्रोसोम की संरचना और उसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करते हुए यह उजागर किया कि यह सूक्ष्म जैविक केंद्र कोशिकाओं के विभाजन और वृद्धि को नियंत्रित करता है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो कैंसर या माइक्रोसेफली जैसी गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं। डॉ. सिंह के अनुसार हम कोशिका की कार्यप्रणाली का सटीक ब्लूप्रिंट समझना चाहते हैं ताकि कैंसर को वहीं रोका जा सके, जहां वह शुरू होता है और स्वस्थ कोशिकाओं को कोई क्षति न पहुंचे। टीम ने पाया कि पीएलके4 प्रोटीन कोशिका विभाजन का प्रमुख स्विच है, जबकि एसटीआईएल प्रोटीन और बीआरसीए1 ट्यूमर सप्रेसर प्रोटीन के बीच नया संबंध यह दर्शाता है कि कोशिका के भीतर यह प्रणाली स्वयं कैंसर-रोधी भूमिका निभाती है। इसके साथ ही, शोध में यह भी सामने आया कि सीपीएपी प्रोटीन में परिवर्तन (म्यूटेशन) सेंट्रोसोम की संख्या या आकार को प्रभावित करता है, जिससे विकास संबंधी विकार और दुर्लभ बीमारियां जन्म लेती हैं। टीम ने ऐसे रासायनिक यौगिकों की पहचान भी की है जो सेंट्रोसोम की असामान्य संख्या को सामान्य बना सकते हैं यह भविष्य की लक्षित एंटी-कैंसर थेरेपी के लिए एक नई दिशा मानी जा रही है। यह शोध आईआईटी जोधपुर के रसायनशास्त्र विभाग के डॉ. संदीप मुरारका के सहयोग से किया गया है, जिनकी टीम टैक्सोल जैसी दवाओं के विकल्प के रूप में नए रसायनों का विकास कर रही है। प्रारंभिक परिणामों से पता चला है कि ये यौगिक कम मात्रा में ही कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकने में सक्षम हैं। डॉ. सिंह की प्रयोगशाला वर्तमान में चिकित्सकों और वैज्ञानिकों के साथ एक राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित कर रही है ताकि भारत में सेंट्रोसोम-संबंधी दुर्लभ रोगों के प्रारंभिक निदान और अनुवांशिक पैटर्न की पहचान की जा सके। डॉ. सिंह का कहना है कि सेंट्रोसोम वास्तव में कोशिका का कमांड सेंटर है, कि हम यह समझ लें कि यह कैसे निर्णय लेता है, तो हम बीमारियों के नियमों को फिर से लिख सकते हैं- कैंसर से लेकर दुर्लभ विकास संबंधी विकारों तक। आईआईटी जोधपुर का यह शोध न केवल कोशिका विज्ञान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, बल्कि ऑन्कोलॉजी, न्यूरोलॉजी व पुनर्जनन चिकित्सा के क्षेत्र में भी भारत की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाई प्रदान करता है।

यात्रा निकाली

पाली, (नि.सं.)। वंदे मातरम्150 के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नगर में स्वदेशी संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। नेतृत्व हरीश गहलोत, पालिका उपाध्यक्ष डालचंद मेवाड़ा एवं ईओ सुदर्शन जांगु ने किया।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN

जयपुर की प्राइम लोकेशन जगतपुरा के रीको अपैरल पार्क में व्यवसायिक भूखंड की ई-नीलामी

भूखंड विवरण
भूखंड संख्या- SPL-5 • मेन 200 फीट महल रोड पर (कॉर्नर प्लॉट)
क्षेत्रफल 5780 वर्ग मीटर

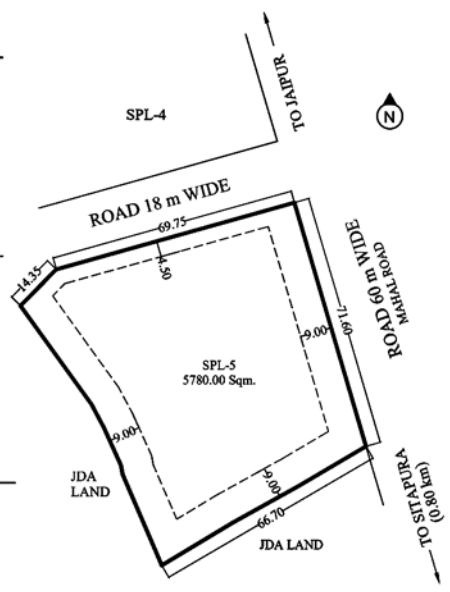

ईएमडी
प्रारम्भ तिथि : 13 नवम्बर, 2025 (प्रातः 10 बजे)
अंतिम तिथि : 27 नवम्बर, 2025 (सायं 6 बजे)

ऑनलाइन बिड
प्रारम्भ तिथि : 28 नवम्बर, 2025 (प्रातः 10 बजे)
अंतिम तिथि : 02 दिसम्बर, 2025 (सायं 5 बजे)

आरक्षित मूल्य
₹2,15,000
प्रति वर्ग मीटर

आवेदन के लिए स्कैन करें

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

विशेष शर्त: 20% बिल्ट-अप एरिया को GCC/IT/Co-working स्पेस के लिए 20 वर्ष तक किराए/लीज़ पर देना आवश्यक

राज.संवाद/सी/25/13573

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005 • ई-नीलामी हैल्पलाइन - 0141 4593250, 4593237
वाट्सएप - 90013 06515 | riico.rajasthan.gov.in

तस्करी व हत्या प्रयास के आरोपी की पत्रावली से दस्तावेज गायब

जोधपुर, (कासं)। साल 2018 में मादक पदार्थ तस्करी, राजकार्य में बाधा डालने, हत्या प्रयास एवं आर्म्स एक्ट के एक मुल्जिम के संबंधित दस्तावेजों की पत्रावली से महत्वपूर्ण कागजात चोरी हो गए।

राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर से मामला होने पर कुड़ी थाने में इस बाबत पाली जिले के नाना थाना के एसआई रतन सिंह की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। पत्रावली से चोरी हुए दस्तावेज से मुल्जिम को फायदा पहुंचाए जाने की आशंका जताई गई। आरोपी फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। मामला 4 अगस्त 2018 का है। दस्तावेज इसी साल चोरी होना बताया गया है।

कुड़ी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि जसराज पुत्र पीराराम जाट निवासी सियागों की ढाणी हुडु पुलिस थाना सिणधरी बाडमेर में पेण्डिग पत्रावली को राजकीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा मुज्लिम जसराज की जमानत याचिका एसबी क्रिमिनल बैल में प्रकरण हाजा की पत्रावली 26 सितंबर 2025 को कांस्टेबल रामनिवास के साथ राजकीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय को भिजवाया गया था। दीपावली अवकाश के बाद कांस्टेबल पाबूराम के साथ पुनः मंगवाई जाने पर कांस्टेबल द्वारा 27 अक्टूबर 2025 को राजकीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय जोधपुर के कार्यालय से प्राप्त कर लेकर आया, बाद में थानाधिकारी को पेश करने पर पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली अवलोकन करने पर पता लगा कि मुल्जिम जसराज से संबंधित कागजात. मूल इकरारनामा, फर्द गिरफ्तारी, पूछताछ नोट, पुलिस अधीक्षक पाली द्वारा अभ्यावेदन जांच पूर्ण संबंधित आदेश प्रति, न्यायालय में मुलजिम जसराज को पेश करने संबंधित जेसी रिमाण्ड, मूल एफएसएल रिपोर्ट इकरारनामा आदि नहीं पाए गए। रिपोर्ट में आरोप है कि पत्रावली में मुल्जिम जसराज को अभियोजन के दौरान फायदा पहुंचाने की नीयत से किसी ने पत्रावली में से दस्तावेज चोरी किए गए हैं। मुल्जिम जसराज अभी न्यायिक अभिरक्षा में बताया जाता है।

IFFCO **किसान भाइयों से अपील** International Year of Cooperatives 2025

किसान भाइयों, इफको के उन्नत नैनो उत्पाद—नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, नैनो कॉपर, आदि—किसी दबाव या अनुचित टैगिंग के प्रभाव में न खरीदें। स्वेच्छा से खरीदें; दबाव डालने पर तुरंत इफको के क्षेत्रीय अधिकारी या जिला कृषि अधिकारी को शिकायत करें या फिर दिए गए टोल फ्री नंबर पर कॉल करें। आपकी सतर्कता हमारी साझा समृद्धि सुनिश्चित करती है। हम सूचित करते हैं की यदि कोई भी विक्रेता सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ टैगिंग करते हुए पाया गया तो इफको उसके साथ सभी प्रकार के व्यवसायिक संबंध समाप्त कर देगी और कड़ी कार्यवाही करेगी।

टोल फ्री न. : 1800 103 1967

मुख्य प्रबंधक जनसम्पर्क

माल ढुलाई आय में 6.43 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने सतत प्रयासों एवं ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप माल ढुलाई से होने वाली आय में उल्लेखनीय वृद्धि पाई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में अक्टूबर माह 2025 में जोधपुर मंडल ने 121.94 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय अर्जित की, जो कि पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 की 114.57 करोड़ रुपये की आय की तुलना में 6.43 प्रतिशत अधिक है।

इसके साथ ही, माल ढुलाई मात्रा में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर

- योजना में भूखण्डों की कुल संख्या 1481 रखी गई है। जिसमें से 513 भूखण्ड ऑटोमोबाइल नगर, 653 भूखण्ड ट्रांसपोर्ट नगर तथा इनफोर्मल मार्केट हेतु 315 भूखण्ड आरक्षित किए गए हैं।
- योजना के आवंटन योग्य सामान्य भूखण्ड 1111 में से ट्रांसपोर्ट नगर हेतु 607 भूखण्ड तथा ऑटोमोबाइल नगर हेतु 504 भूखण्ड प्रस्तावित है।
- इसके अलावा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाइल से संबंधित छोटे व्यवसायियों हेतु इनफोर्मल मार्केट में ब्लॉक ए 35 एवं ब्लॉक बी में 280 कुल 315 भूखण्ड आवंटन हेतु प्रस्तावित किए गए हैं।
- जिनकी संख्या घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामान्य भूखण्डों का आवंटन लॉटरी प्रद्धति से किया जाएगा।

प्राधिकरण द्वारा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर योजना में आवेदन पत्रों के पंजीकरण की अन्तिम तिथि 16.11.2025 तक एवं ऑनलाईन आवेदन करने की अन्तिम तिथि को 18.11.2025 तक बढ़ाया गया है। साथ ही इस योजना की लॉटरी हेतु दिनांक: 25.11.2025 प्रस्तावित की गई है।

इस योजना के आवेदन पत्र केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किए जाएंगे।

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर की आवेदन पुस्तिका तथा आवेदन की प्रक्रिया सामान्य शर्ते व ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया/विस्तृत जानकारी जेडीए पोर्टल/joda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

Jodhpur Development Authority

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in